सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 33 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 5 मार्च, 2024
मूल्य ₹ 3/-

अगर आपको अपने जीवन के लक्ष्य प्राप्त करने हैं तो आपको अपनी आत्मा से शुरुआत करनी होगी।

-ओपरा विनफ्रे

मुंबई 48वीं बार रणजी ट्रॉफी के... 7 | उम्मीदवारी की घोषणा के बाद मचा... 3 | जम्मू-कश्मीर को मिले राज्य का... 2

मोदी-लालू के बयान के बाद सियासी घमासान

» परिवार को लेकर बीजेपी व विपक्ष में शुरू हुआ वार-पलटवार

» कांग्रेस बोली-देश लूट रहा है मोदी का 'असली परिवार'

» विपक्षी गठबंधन की बढ़त से परेशान है मोदी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी के 140 करोड़ लोगों को अपना परिवार बताने के बाद से पूरे देश में सियासत गरमा गई है। दरअसल बिहार के दिग्गज नेता लालू प्रसाद यादव के बयान पर पलटवार करते हुए पीएम ने पूरे देश को अपना परिवार बताया। इसके बाद भाजपा नेताओं ने भी पीएम के समर्थन में अपने एक्स हैंडल के बायो में मोदी का परिवार जोड़ लिया है। इन सबके बीच सपा प्रमुख व यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव, कांग्रेस समेत सभी विपक्षी नेताओं ने मोदी व बीजेपी पर तीखा हमला किया है।

सपा मुखिया ने कहा है कि मोदी परिवार का नारा तो ऐसे लगाया जा रहा है जैसे परिवार बिछड़ गया है।

उधर बीजेपी के नेताओं ने एक्स पर अपना बायो बदल कर मोदी का परिवार टैग किया है। कांग्रेस पार्टी के महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि भाजपा सांसद अजय मिश्रा टेनी और बृजभूषण शरण सिंह प्रधानमंत्री मोदी का 'असली परिवार' हैं।

सबकुछ है मेरे लिए देश का हर परिवार : पीएम मोदी

पीएम मोदी ने तेलागाना के संगारेड्डी में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। भाजपा कार्यकर्ताओं और जनता को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने परिवारवादका जिक्र करते हुए विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि परिवारवाद लोकतंत्र के लिए खतरा है। पीएम मोदी ने आगे कहा मैं घोटाले का खुलासा करता हूं। उन्होंने कहा कि आपके इस प्यार को मैं तेलंगाना के विकास के रूप में दोगुना कर के दूंगा। पीएम मोदी ने आगे कहा, आज जब मोदी आपसे और आपके परिवार को दी गई गारंटी को पूरा करने में लगा है, तो कांग्रेस और उसके साथी मोदी को और मोदी के परिवार को गाली देने पर उतर आए हैं। इसका कारण है - क्योंकि मैं इनके सैंकड़ों हजारों रुपयों के घोटालों की पोल खोल रहा हूं। मैं इन लोगों के परिवारवाद के खिलाफ आवाज उठा रहा हूं। पीएम मोदी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, वो (विपक्ष) कहते हैं उनके लिए उनका परिवार भी सबकुछ है। मेरे लिए देश का हर परिवार सबकुछ है। इन्होंने अपने परिवार के हितों के लिए देशहित को बलि चढ़ा दिया। मोदी ने देशहित के लिए खुद को खपा दिया है।

टेनी और बृजभूषण मोदी का असली परिवार : जयराम

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि भाजपा सांसद अजय मिश्रा टेनी और बृजभूषण शरण सिंह प्रधानमंत्री मोदी का 'असली परिवार' हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भाजपा सांसदों अजय मिश्रा और बृजभूषण शरण सिंह के 'एक्स' प्रोफाइल का स्क्रीन शॉट साझा करते हुए पोस्ट किया, ''किसानों की हत्या, महिलाओं पर अत्याचार, यही है मोदी का असली परिवार!''

हैं। कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी द्वारा सोशल मीडिया मंचों पर 'मोदी का परिवार' अभियान शुरू किए जाने के बाद दावा किया कि विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के निरंतर बढ़ने से भाजपा के नेता परेशान हो गए हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''किसान कर्जदार, युवा बेरोजगार, मजदूर लाचार, और देश लूट रहा है मोदी का 'असली परिवार'।''

वेणुगोपाल व पवन खेड़ा ने भी बीजेपी को घेरा

इस बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा, ''आपने देखा होगा कि पटना में कल (जनविश्वास रैली में) जनता में कितना उत्साह था। हर दिन 'इंडिया' गठबंधन बढ़ रहा है और इसलिए भाजपा के नेता परेशान हैं। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने बृजभूषण शरण सिंह के 'एक्स' प्रोफाइल का स्क्रीनशॉट साझा करते हुए कटाक्ष किया, ''मोदी का परिवार बृजभूषण शरण सिंह का स्वागत करता है।'' उल्लेखनीय है कि साल 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के 'चौकीदार चोर है' के नारे के जवाब में भाजपा ने 'मैं भी चौकीदार' अभियान चलाया था।

यूपी पुलिस भर्ती बोर्ड की अध्यक्ष रेणुका मिश्रा पर गिरी गाज

» राजीव कृष्णा को बनाया अध्यक्ष

» पेपर लीक मामले में योगी सरकार ने की कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चौतरफा घिरने के बाद आखिरकार योगी सरकार ने पेपर लीक मामले में बोर्ड के अध्यक्ष को हटा दिया। असल में यूपी में पुलिस भर्ती पेपर लीक मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर कारवाई करने का चौतरफा दबाव था। इसीलिये से बड़ी कार्रवाई की है।

पुलिस भर्ती बोर्ड की अध्यक्ष रेणुका मिश्रा को हटा दिया गया है। राजीव कृष्णा को पुलिस भर्ती बोर्ड का नया अध्यक्ष बनाया गया है। उत्तर प्रदेश में 60,000 से अधिक कांस्टेबल भर्ती पदों के लिए 48 लाख से अधिक उम्मीदवारों ने भाग लिया था। पेपर लीक होने के बाद परीक्षा रद्द कर दी गई थी। इस मामले में अब भर्ती बोर्ड की अध्यक्ष रेणुका मिश्रा को पद से हटा दिया गया है और राजीव कृष्ण को भर्ती बोर्ड की जिम्मेदारी दी गई है।

पाक समर्थक नारेबाजी मामले पर कर्नाटक सरकार का एक्शन

» तीन को पुलिस हिरासत में भेजा गया

» गृहमंत्री बोले- दो बार नारे लगाए गए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलूरू। कर्नाटक में राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी सैयद नसीर हुसैन की जीत के बाद पाकिस्तान के समर्थन में नारा लगाने का मामला गरमाता जा रहा है। इस बीच, जानकारी सामने आई है कि विधान सौध में पाकिस्तान समर्थक नारे के मामले में गिरफ्तार तीन लोगों को 39 एसीएमएम कोर्ट ने तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

तीन लोगों की गिरफ्तारी पर कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने कहा, दो बार नारे लगाए गए हैं। एसएफएल की रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया है कि ऐसा किसने कहा है। उन्होंने सिर्फ इतना कहा है कि इसकी पुष्टि हो गई है और किसी भी तरह का कोई हस्तक्षेप नहीं है, यह एक सीधा वीडियो है। उन्होंने जांच की है और पुष्टि की है कि पाकिस्तान जिंदाबाद जैसे नारे लगाए गए थे और उसके आधार पर हमने तीन लोगों की पहचान की है और उन्हें गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा, वहां कांग्रेस से सहानुभूति रखने वाले, कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद थे, लेकिन हम कुछ नहीं जानते।

बेंगलूरू बम धमाके मामले में एनआईए की सात राज्यों में तलाशी शुरू

केंद्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मंगलवार को आतंकी साजिश के मामले में सात राज्यों के 17 स्थानों पर छापेमारी की। बेंगलुरु शहर पुलिस ने पिछले साल जुलाई में सात पिस्तौल, चार हथगोले, एक मैगजीन सहित अन्य गोला-बारूद की जब्ती के बाद मामला दर्ज किया था।शुरुआत में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया था और उनसे पूछताछ के बाद एक और गिरफ्तारी हुई, जिससे मामले में कुल छह गिरफ्तारियां हुईं।

भाजपा बहुत होशियार पार्टी : अखिलेश

» सपा प्रमुख ने मप्र के सीएम के बारे में कहा- वो तो प्यारे मोहन हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में यादव वोट बैंक को अपनी तरफ आकर्षित करने के लिए भाजपा द्वारा लखनऊ में आयोजित किए गए यादव महाकुंभ पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा बहुत होशियार पार्टी है। वो इस तरह के तरीके अपनाते रहते हैं लेकिन उनकी ये ट्रिक बहुत पुरानी है। इसके लिए हमारा वजीर तैयार है। उन्होंने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के बारे में कहा कि वो तो प्यारे मोहन हैं। भाजपा ने लखनऊ में यादव महाकुंभ का आयोजन किया था जिसे मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संबोधित करते हुए अखिलेश यादव पर कटाक्ष किया था।

उन्होंने कहा था कि यादव समाज का कोई ठेकेदार नहीं है, समाज की अपनी पहचान है। मुझे मुख्यमंत्री बनाने से कुछ लोगों के पेट में दर्द हो रहा है। अगर दर्द होता है तो होता रहे, यादव समाज जब भी यूपी बुलाएगा वो आते रहेंगे। सोमवार को प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने इस पर जवाब दिया। अखिलेश यादव ने कहा कि जिन उद्योगपतियों का कर्ज माफ हुआ है कहीं उन्होंने ही तो भाजपा का इलेक्टोरल बांड नहीं खरीदा है। देश में किसानों का कर्ज माफ नहीं हुआ है। किसान आत्महत्या कर रहे हैं। आंदोलन कर रहे हैं। अखिलेश यादव की मौजूदगी में पूर्व मंत्री शिवकुमार बेरिया और रुदौली के पूर्व विधायक रुश्दी मियां बसपा छोड़कर सपा में शामिल हो गए। उनके साथ कई अन्य नेताओं ने भी सपा की सदस्यता ले ली। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि अब तो भाजपा के लोग ही कह रहे हैं कि नहीं चाहिए भाजपा। उन्होंने कहा कि भाजपा एक राजनीतिक दल के रूप में इतनी कमजोर कभी भी नहीं थी। उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर कहा कि किसने सोचा था कि भाजपा के ऐसे दिन भी आएंगे कि कुछ उम्मीदवार टिकट मिलने से पहले कुछ और काम को ज्यादा जरूरी बताने का बहाना करके दावेदारी छोड़ देंगे। कोई खेल को राजनीति से अधिक गंभीर मानकर बाहर जाने की बात करेगा तो कोई पर्यावरण के बहाने पतझड़ी भाजपा से बाहर निकलने के लिए प्रार्थना पत्र लिखेगा। कोई टिकट कटने पर संन्यास लेने का ऐलान कर देगा तो कोई टिकट मिलने के बाद भी दूर से ही सोशल मीडिया पर अपने व्यक्तिगत कारणों से टिकट को ठुकरा देगा। भाजपा एक दल के रूप में इतनी कमजोर कभी नहीं थी। अब तो जनता के अलावा, भाजपा वाले भी खुद ही कह रहे हैं कि भाजपा नहीं चाहिए।

कर्जमाफी वाले उद्योगपतियों ने खरीदा इलेक्टोरल बांड

एक नहीं दो सीटों से ताल ठोक सकते हैं सपा मुखिया

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव आगामी लोकसभा चुनाव दो सीटों से लड़ सकते हैं। उनके लिए कन्नौज और आजमगढ़ दोनों में तैयारियां चल रही हैं। इन दोनों लोकसभा क्षेत्रों से अखिलेश यादव पहले भी सांसद रह चुके हैं। सपा ने पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव को कन्नौज और आजमगढ़ लोकसभा क्षेत्र का प्रभारी बनाया है। ये दोनों ही सीटें मुस्लिम और यादव मतदाताओं की संख्या अच्छी खासी होने के कारण सपा का गढ़ मानी जाती हैं। कन्नौज से अखिलेश यादव लगातार 2000, 2004 और 2009 का लोकसभा चुनाव जीते थे। उसके बाद 2014 में उनकी पत्नी डिंपल यादव यहां से जीतीं। जीत का यह सिलसिला वर्ष 2019 में थमा, जब डिंपल यादव भाजपा प्रत्याशी सुब्रत पाठक से हार गईं। इसी तरह से आजमगढ़ से वर्ष 2014 का चुनाव मुलायम सिंह यादव जीते और 2019 में अखिलेश यादव वहां से सांसद चुने गए। लेकिन, अखिलेश यादव के विधानसभा सदस्य चुने जाने के बाद जब इस लोकसभा सीट पर उपचुनाव हुआ तो सपा प्रत्याशी धर्मेंद्र यादव यहां से हार गए। दिलचस्प मुकाबले में आजमगढ़ से भाजपा प्रत्याशी दिनेश लाल यादव निरहुआ जीते।

तो क्या प्रधानमंत्री का बिछड़ गया है परिवार

प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार के नेता लालू प्रसाद यादव के बयान पर पलटवार करते हुए पूरे देश को अपना परिवार बताया है। इसके बाद भाजपा नेताओं ने भी पीएम के समर्थन में अपने एक्स हैंडल के बायो में मोदी का परिवार जोड़ लिया है। इन सबके बीच सपा प्रमुख व यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने मोदी व बीजेपी पर तीखा हमला किया है। सपा मुखिया ने कहा है कि मोदी परिवार का नारा तो ऐसे लगाया जा रहा है जैसे परिवार बिछड़ गया है। ज्ञात हो कि इससे पहले 2019 में प्रधानमंत्री के चौकीदार वाले नारे के बाद देश भर के बीजेपी नेताओं यहां तक कि आम जनता ने भी अपने नाम के आगे मैं भी चौकीदार जोड़ लिया था।

सीएम योगी ने एक्स पर बदला अपना बायो

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समर्थन में अपने एक्स अकाउंट के बायो को बदलते हुए उसमें अपने नाम के आगे मोदी का परिवारलिख दिया है। जनसभा के दौरान इंडिया गठबंधन को निशाने पर लेते हुए पूरे देश को अपना परिवार बताया है। इसके बाद पीएम के समर्थन में देशभर के शीर्षस्तर के बीजेपी नेताओं ने अपने नाम के आगे मोदी का परिवार लिख दिया है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी अपने एक्स हैंडल पर अपने नाम के आगे मोदी का परिवार लिखा है।

प्रत्याशी बदलकर नौटंकी करती है बीजेपी : आतिशी

» बोलीं- अनुपयोगी लोगों को टिकट देती है जो जनता के बीच जाते ही नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने भाजपा के चार सांसदों के टिकट काटने पर सवाल खड़ा किया है। आतिशी ने कहा कि भाजपा पहले अनुपयोगी लोगों को टिकट देती हैं। इस कारण वे जीतने के बाद पांच साल गायब रहते हैं। उनके हारने की आशंका के मद्देनजर पांच साल बाद भाजपा प्रत्याशी बदलने की नौटंकी करती हैं।

इसी कारण भाजपा ने चार सांसदों का टिकट काट कर नए लोगों को उम्मीदवार बनाया है, लेकिन अब दिल्ली वाले गुमराह होने वाले नहीं हैं और इस बार सभी सीटों पर इंडिया गठबंधन की जीत तय है। वहीं उन्होंने कहा कि भाजपा ने देश विरोधी ताकतों का कोर्ट में साथ देने वाली बांसुरी स्वराज को नई दिल्ली से उम्मीदवार बनाया है। इससे जनता बहुत आहत है। भाजपा को अपना उम्मीदवार बदल देना चाहिए। आतिशी और नई दिल्ली सीट से आप उम्मीदवार सोमनाथ भारती ने भाजपा व बांसुरी स्वराज पर आरोप लगाए। आतिशी ने कहा कि भाजपा एमसीडी से लेकर लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार बदलने का कार्य करती आई हैं और इसकी बानगी जारी भाजपा उम्मीदवारों की सूची में देखा जा सकती है। भाजपा ने पांच सांसदों में से चार को बदल दिया।

जम्मू-कश्मीर को मिले राज्य का दर्जा : आजाद

» पीएम से अपील- राज्य में वो विकास किया जाए, जो अब तक की सरकारें न कर सकी हों

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

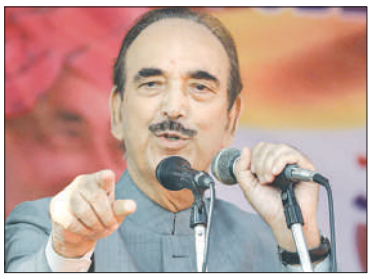

जम्मू। डीपीएपी के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील करते हुए कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने के तुरंत बाद जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल किया जाना चाहिए। आजाद ने कहा कि जम्मू कश्मीर में वो विकास किया जाना चाहिए, जिसे यहां कि रियासती सरकारें नहीं कर सकीं। गुलाम नबी ने कहा कि प्रधानमंत्री पूरे देश के हैं।

देश के अलग-अलग हिस्सों में वे जाते रहते हैं। हाल ही में जम्मू के बाद अब वे कश्मीर दौरे पर भी आ रहे हैं। आजाद ने कहा, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने संसद में जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने का वादा किया है। हमने जोर दिया था कि यह विधानसभा चुनाव से पहले किया जाना चाहिए, लेकिन सरकार ने कहा कि वे इसे विधानसभा चुनाव के बाद करेंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद काफी समय लग सकता है। लेकिन यह तुरंत होना चाहिए। कश्मीर और जम्मू क्षेत्र में एक-एक बिजली परियोजनाएं स्थापित की जाएंगी, जिनकी कुल उत्पादन क्षमता 4,000 मेगावाट होने की बात कही गई है। इससे जम्मू और कश्मीर में ऊर्जा की कोई कमी नहीं है। आजाद ने कहा कि स्टार्टअप के लिए बिजली बुनियादी जरूरत है।

मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर के विकास के लिए उदारतापूर्वक दिया धन : रविंद्र रैना

रैना ने आगे कहा कि केंद्र की मोदी सरकार जम्मू-कश्मीर को वित्तीय आवंटन प्रदान करने में उदार रही है, जिसके परिणामस्वरूप केंद्र शासित प्रदेश में अभूतपूर्व विकास हुआ है। उन्होंने कहा, 2014 में मोदी के कश्मीर आगमन से बाद पीढ़ितों को आशा की किरण मिली थी। उन्होंने 80,000 करोड़ रुपये के विकास पैकेज की घोषणा की थी। उस पैकेज के कारण ही कश्मीर समस्याओं से बाहर आ सका। मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर के लिए उदारतापूर्वक धन आवंटित किया है। आज कश्मीर समृद्ध और शांतिपूर्ण दौर से गुजर रहा है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र रैना ने जम्मू कश्मीर में लोकसभा और विधानसभा चुनावों के लिए किसी भी गठबंधन से इनकार किया। रैना ने कहा कि भाजपा को प्रदेश में चुनाव के लिए किसी गठबंधन की जरूरत नहीं पड़ेगी। भाजपा अपने दम पर चुनाव लड़ेगी और जीतेगी। रैना ने कहा, भाजपा जम्मू-कश्मीर में सभी पांच सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार है। हम अपने दम पर लोकसभा चुनाव लड़ेंगे।

बीजेपी पुराने झूठे वादों को मोदी की गारंटी के रूप में बेच रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

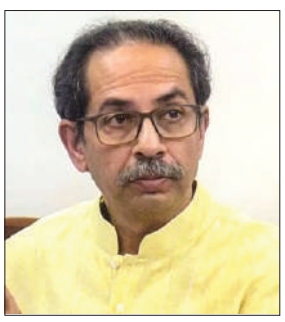

मुंबई। शिवसेना (उद्धव बाळासाहेब ठाकरे) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने कहा कि भाजपा आम चुनाव से पहले लोगों को अपने पुराने झूठे वादे मोदी की गारंटी के रूप में बेच रही है। नवी मुंबई से सटे पनवेल में एक सभा को संबोधित करते हुए, ठाकरे ने स्थानीय मतदाताओं से आगामी चुनावों में मावल से मौजूदा लोकसभा सदस्य श्रीरंग बारणे को हराने की अपील की।

बारणे मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए हैं। पनवेल मावल लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र का हिस्सा है, जहां से बारणे ने 2019 में अविभाजित शिवसेना के उम्मीदवार के रूप में जीत हासिल की थी। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे ने कहा भाजपा नेताओं ने 2014 (लोकसभा चुनाव) में लोगों से कई झूठे वादे किए, अब, उन्हीं झूठे वादों या जुमलों को मोदी की गारंटी के रूप में आम चुनाव से पहले लोगों के सामने दोबारा पेश किया जा रहा है, देश ने कभी भी ऐसे नेताओं से भरी पार्टी नहीं देखी है जो पूरी तरह से झूठे हों।

उम्मीदवारी की घोषणा के बाद मचा सियासी बवाल

विपक्ष का भाजपा पर हमला, दागियों को बना रही प्रत्याशी

» बीजेपी उम्मीदवारों पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू

» यूपी से लेकर बंगाल तक के प्रत्याशियों पर उठे सवाल

गीताश्री/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बीजेपी ने विभिन्न राज्यों के लिए आगामी 2024 लोक सभा चुनाव के लिए 195 प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। उधर घोषणा होते ही बीजेपी के उम्मीदवारों के खिलाफ विरोध भी शुरू हो गये हैं। बाराबंकी उम्मीदवार के वायरल अश्लील विडियो पर हंगाम भी बरपा हुआ है। वहां के सांसद उपेन्द्र रावत ने चुनाव टिकट वापस कर दिया है। वहीं पश्चिम बंगाल से आसनसोल से सांसद के चुनाव के लिए भोजपुरी स्टार पवन सिह को टिकट दिया गया था पर उन्होंने लड़ने ये इंकार कर दिया है। उधर कई अन्य राज्यों में बीजेपी के कैंडिडेट विपक्ष के निशाने पर हैं।

इसी क्रम में यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यदाव ने कहा कि कोई खेल को राजनीति से अधिक गंभीर मानकर बाहर जाने की बात करेगा, कोई पर्यावरण के बहाने पतझड़ी भाजपा से बाहर निकलने के लिए प्रार्थना पत्र लिखेगा, कोई टिकट कटने पर संन्यास लेने का ऐलान कर देगा, कोई टिकट मिलने के बाद भी दूर से ही सोशल मीडिया पर अपने व्यक्तिगत कारणों से टिकट को ठुकरा देगा। समाजवादी पार्टी (सपा) के रास्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा उमीदवारों की घोषणा के बीच सत्तारूढ़ दल के कुछ सांसदों द्वारा चुनाव न लड़ने और एक उम्मीदवार द्वारा दावेदारी वापस लेने पर तंज कसते हुए सोमवार को कहा कि भाजपा एक दल के रूप में इतनी कमजोर कभी नहीं थी। भाजपा ने विभिन्न राज्यों के 195 लोस क्षेत्रों के लिए अपने उम्मीदवार घोषित किये।

आरोपियों को टिकट दे रही बीजेपी : उद्धव

शिवसेना (यूबीटी) ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना करते हुए कहा कि अन्य राजनीतिक दलों को कमजोर करने की उसकी नीति चल नहीं पाएगी। भाजपा ने लोकसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की है, जिसमें धन शोधन के आरोपों का सामना कर चुके कृपाशंकर सिंह का नाम भी शामिल है। शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने सूची में नितिन गडकरी जैसे वरिष्ठ नेताओं का नाम नहीं होने पर आश्चर्य जताया। उन्होंने केंद्रीय मंत्री गडकरी के साथ किए गए काम को याद किया, जिन्होंने शिवसेना के संस्थापक बालासाहेब ठाकरे द्वारा शुरू की गई परियोजना मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे को तेजी से पूरा करने में सहयोग दिया था। भाजपा ने महाराष्ट्र की 48 सीट पर उम्मीदवारों की घोषणा अभी नहीं की है। भाजपा ने सिंह को उत्तर प्रदेश की जौनपुर सीट से उम्मीदवार बनाया है। सिंह कांग्रेस की मुंबई इकाई के प्रमुख और गृह राज्य मंत्री रह चुके हैं। जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार द्वारा निरस्त किए जाने के मुद्दे पर कांग्रेस के रुख से असहमति जताने के बाद 2019 में उन्होंने पार्टी छोड़ दी थी। बाद में 2021 में वह भाजपा में शामिल हो गए थे। ठाकरे ने सीधे तौर पर भाजपा या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नाम लिए बगैर कहा, विपक्षी दलों को खत्म करने की राजनीति चल नहीं पाएगी... जुमला का नाम बदलकर गारंटी कर दिया जाना चाहिए। कृपा शंकर सिंह ने ठाकरे की टिप्पणियों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि मैं ऐसे व्यक्ति की टिप्पणी को गंभीरता से नहीं लेता, जिसकी अपनी कोई राजनीतिक पार्टी नहीं है और जो मुख्यमंत्री के रूप में अपने ढाई साल के कार्यकाल में ढाई दिन के लिए भी कार्यालय नहीं पहुंचे हों।

बांसुरी व आतिशी में आरोप-प्रत्यारोप

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने लोकसभा चुनाव में नई दिल्ली सीट से बांसुरी स्वराज को उम्मीदवार बनाने को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए दावा किया कि स्वराज ने एक वकील के रूप में अदालत में राष्ट्र-विरोधी ताकतों का प्रतिनिधित्व किया है। बांसुरी स्वराज ने इन आरोपों को लेकर दिल्ली की सत्तारूढ़ आप पर पलटवार करते हुए उसके उम्मीदवार पर सवाल खड़े किए। दिल्ली सरकार में शिक्षा मंत्री आतिशी ने यहां सम्मेलन में कहा कि भाजपा की दिवंगत नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुषमा स्वराज की बेटी बांसुरी स्वराज को अदालत में राष्ट्र-विरोधी ताकतों का पक्ष लेने के लिए देश के लोगों से माफी मांगनी चाहिए। आतिशी ने यह भी मांग की कि भाजपा बांसुरी की जगह किसी और को नई दिल्ली सीट से उम्मीदवार बनाए। आतिशी ने आरोप लगाते हुए कहा, बांसुरी स्वराज ने नई दिल्ली लोकसभा क्षेत्र से मीनाक्षी लेखी की जगह ली है। उन्होंने अदालतों में राष्ट्र-विरोधी शक्तियों का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने चंडीगढ़ के महापौर का प्रतिनिधित्व किया, जो हाल के चुनाव में धोखाधड़ी से चुने गए थे। स्वराज ने 2012 से 2014 तक अदालतों में भगोड़े कारोबारी ललित मोदी का भी प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने यह भी मांग की कि भाजपा निर्वाचन क्षेत्र से अपना उम्मीदवार बदले। बांसुरी स्वराज ने आतिशी के इन आरोपों पर पलटवार करते हुए आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार पर भी सवाल उठाया, जिन्हें शनिवार को राजेंद्र नगर में उनकी ही पार्टी के कार्यकर्ता ने कथित तौर पर पीटा था। बांसुरी ने आप के आरोपों का जवाब देते हुए कहा, मैं आम आदमी पार्टी से पूछना चाहती हूं – आपने ऐसे उम्मीदवार को क्यों मैदान में उतारा है, जिसे कल (शनिवार) राजेंद्र नगर में उसके खुद के कैडर ने पीटा था? भाजपा नेता ने कहा, उन्होंने एक ऐसे व्यक्ति को उम्मीदवार बनाया है, जो उनकी अपनी पार्टी के सदस्यों को पसंद नहीं है। वे हम पर आरोप लगा सकते हैं लेकिन जनता उन्हें चुनाव में जवाब देगी। आम आदमी पार्टी ने नई दिल्ली सीट से सोमनाथ भारती को अपना उम्मीदवार बनाया है।

राहुल के बयान पर भड़की बीजेपी

पाकिस्तान की तुलना में दोगुनी है और कहा कि यह स्थिति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खराब वित्तीय राजनीति का परिणाम है। राहुल गांधी भारत के खिलाफ अपनी विवादित टिप्पणी के कारण एक और बार सुर्खियों में हैं। कांग्रेस सांसद ने 3 मार्च को ग्वालियर में अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान भारत की पाकिस्तान से अपमानजनक तुलना की। बेरोजगारी को लेकर पीएम मोदी पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि भारत में पाकिस्तान की तुलना में दोगुनी बेरोजगारी दर है। उनके बयान के तुरंत बाद, राजनीतिक घमासान छिड़ गया क्योंकि भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने उनके बयान के लिए उनकी आलोचना की। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने उन्हें कुंठित बिल्ली कहते हुए आंकड़ों की जांच करने को कहा। दूसरी ओर, भाजपा नेता रविशंकर ने उन्हें गैर-गंभीर राजनीतिक नेता कहा। गौरतलब है कि राहुल गांधी अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू होने के बाद से ही अपनी अपमानजनक टिप्पणियों को लेकर सुर्खियों

में हैं। इससे पहले 20 फरवरी को यूपी के रायबरेली में अपने भाषण के दौरान उन्होंने वाराणसी के युवाओं पर शराबी टिप्पणी की थी। इस टिप्पणी पर भाजपा नेताओं ने कड़ी आलोचना की, जबकि जिले के भाजपा कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के भाषण क्षेत्र को गंगा जल से शुद्ध किया। बीजेपी के राष्ट्रीय अधिवेशन के दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने भारत विरोधी टिप्पणियों के लिए राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेताओं को जमकर लताड़ा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दावा किया कि भारत की बेरोजगारी दर पाकिस्तान की तुलना में दोगुनी है और कहा कि यह स्थिति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खराब वित्तीय राजनीति का परिणाम है। कांग्रेस नेता ने कहा कि सरकार की नीतियों के परिणामस्वरूप देश में छोटे और मध्यम उद्यमों का विनाश हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत आर्थिक और नौकरी मानकों पर भूटान और बांग्लादेश से भी खराब प्रदर्शन कर रहा है।

भारत की बेरोजगारी दर पाक से दोगुनी

अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के तहत मध्य प्रदेश के ग्वालियर में जनता को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, देश कई मोर्चों पर अन्याय का सामना कर रहा है। आर्थिक और सामाजिक अन्याय हो रहा है। किसानों को अन्याय का सामना करना पड़ रहा है। हमारा देश सबसे खराब बेरोजगारी दर का सामना कर रहा है। पिछले 40 वर्षों में। भारत की बेरोजगारी दर पाकिस्तान से दोगुनी है। भारत में 23 प्रतिशत और पाकिस्तान में 12 प्रतिशत युवा बेरोजगार थे। हमारी बेरोजगारी दर भूटान और बांग्लादेश से भी अधिक है। पीएम मोदी के जीएसटी लागू करने और नोटबंदी के कारण देश में हमारे छोटे और मध्यम उद्यम नष्ट हो गए हैं। विश्व बैंक की 2022 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत की युवा बेरोजगारी दर 23.22 प्रतिशत थी, जो अपने पड़ोसी देशों पाकिस्तान (11.3 प्रतिशत) और बांग्लादेश (12.9 प्रतिशत) से अधिक थी। राहुल गांधी ने राष्ट्रव्यापी जातीय निंदा का समर्थन नहीं करने या कदम नहीं उठाने के लिए भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकार इस तथ्य को छिपाना चाहती है कि कई प्रमुख क्षेत्रों में व्यवसायों का स्वामित्व उन लोगों के पास है जो पिछड़े वर्ग से संबंधित नहीं हैं। जाति जनगणना भारत का एक्स-रे है। इससे किसी को कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। वे (भाजपा) नहीं चाहते कि देश को सच्चाई पता चले। निजी क्षेत्र में, अस्पतालों और कॉलेजों के मालिकों को देखें। ये मालिक पिछड़े वर्गों से नहीं आएंगे। मनरेगा सूची और मजदूरों के आंकड़ों को देखें, वहां आपको पिछड़े वर्गों से पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिलेगा।

बहाने बनाकर दावेदारी छोड़ रहे लोग : अखिलेश

यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'किसने सोचा था कि भाजपा के ऐसे दिन भी आएंगे कि कुछ उम्मीदवार टिकट मिलने से पहले ही बहाने बनाकर दावेदारी छोड़ देंगे।' उन्होंने कहा,कि कोई खेल को राजनीति से अधिक

गंभीर मानकर बाहर जाने की बात करेगा, कोई पर्यावरण के बहाने पतझड़ी भाजपा से बाहर निकलने के लिए प्रार्थना पत्र लिखेगा, कोई टिकट कटने पर संन्यास लेने का ऐलान कर देगा, कोई टिकट मिलने के बाद भी दूर से ही सोशल मीडिया पर अपने व्यक्तिगत कारणों से टिकट को ठुकरा देगा। उन्होंने हैशटैग 'नहीं चाहिए भाजपा' के साथ पोस्ट में दावा किया, भाजपा एक दल के रूप में इतनी कमजोर कभी नहीं थी। अब तो जनता के अलावा, भाजपा वाले भी खुद ही (ऐसा) कह रहे हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

विशेषाधिकार के नाम पर लाभ उठाना अनुचित

विशेषाधिकार के नाम पर लाभ उठाने वाले राजनेताओं को शीर्ष अदालत ने करारा झटका दिया है। ज्ञात हो कि कोर्ट ने 1998 में को वोट के बदले नोट लेने के मामले में अभियोजन (मुकदमे) से छूट देने का फैसला सुनाया था। उसे अब पलट दिया है। ये लोकतंत्र को बचाने वाला निणर्य है। देखने में आया है जब कोई सरकार पूर्ण बहुमत में नही होती है तो वह अपनी सरकार को विधान सभा या संसद विश्वास हासिल कराने के लिए अपने पक्ष में वोट डालने की अपील करती है और कभी-कभी ये वोट रिश्वत लेकर डाली जाती है, जो एक गलत परंपरा होती है। इससे कभी-कभी सरकारों का`दबाव में काम करना पड़ता है जो भारत की छवि को धूमिल करते हैं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने अपने ऐतिहासिक फैसले में रिश्वत लेकर वोट देने वाले माननीयों को अभियोजन से राहत देने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने 98 में पीवी नरसिम्हा राव के मामले में दिए अपने पिछले फैसले को पलट दिया।

सात जजों की संविधान पीठ ने कहा कि संसदीय विशेषाधिकार के तहत रिश्वतखोरी की छूट नहीं दी जा सकती। फैसला सुनाते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि पीठ के सभी जज इस मुद्दे पर एकमत हैं कि पीवी नरसिम्हा राव मामले मे दिए फैसले से हम असहमत हैं। नरसिम्हा राव मामले में अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने सांसदों-विधायकों को वोट के बदले नोट लेने के मामले में अभियोजन (मुकदमे) से छूट देने का फैसला सुनाया था। चीफ जस्टिस ने कहा कि माननीयों को मिली छूट यह साबित करने में विफल रही है कि माननीयों को अपने विधायी कार्यों में इस छूट की अनिवार्यता है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 105 और 194 में रिश्वत से छूट का प्रावधान नहीं है क्योंकि रिश्वतखोरी आपराधिक कृत्य है और ये सदन में भाषण देने या वोट देने के लिए जरूरी नहीं है। पीवी नरसिम्हा राव मामले में दिए फैसले की जो व्याख्या की गई है, वो संविधान के अनुच्छेद 105 और 194 के विपरीत है। मुख्य न्यायाधीश. ने कहा कि हम मानते हैं कि रिश्वतखोरी, संसदीय विशेषाधिकार नहीं है। माननीयों द्वारा किया जाने वाला भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी भारत के संसदीय लोकतंत्र को तबाह कर रहे हैं। कोर्ट ने कहा कि जो विधायक राज्यसभा चुनाव के लिए रिश्वत ले रहे हैं उनके खिलाफ भ्रष्टाचार रोधी कानून के तहत कार्रवाई होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर वकील अश्विनी उपाध्याय ने कहा कि आज सात जजों की पीठ ने कहा है कि अगर सांसद पैसे लेकर सदन में सवाल पूछते हैं या वोट करते हैं, तो वे विशेषाधिकार का तर्क देकर अभियोजन से छूट का दावा नहीं कर सकते। पैसे लेकर वोट देने या सवाल पूछने से भारत का संसदीय लोकतंत्र तबाह हो जाएगा।

देखने में आया है जब कोई सरकार पूर्ण बहुमत में नही होती है तो वह अपनी सरकार को विधान सभा या संसद विश्वास हासिल कराने के लिए अपने पक्ष में वोट डालने की अपील करती है और कभी-कभी ये वोट रिश्वत लेकर डाली जाती है, जो एक गलत परंपरा होती है। इससे कभी-कभी सरकारों का `दबाव में काम करना पड़ता है जो भारत की छवि को धूमिल करते हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आसान भी नहीं भाजपा का दक्षिण पथ

वेद विलास उनियाल

जब उत्तर भारत की राजनीति में हिमाचल और यूपी में राज्यसभा की सीटों के लिए बिसातें बिछ रही थीं, पीएम मोदी दक्षिण भारत में अपनी सभाओं के जरिए लोगों से संवाद कर रहे थे। बीजेपी अपने उस दक्षिण मिशन पर गंभीर है, जिसकी बदौलत वह एनडीए के चार सौ वाले नारे को धरातल रूप देना चाहती है। निश्चित ही दक्षिण का यह सफर काफी अड़चनों भरा है। लेकिन बीजेपी का यह संकल्प बिना दक्षिण विजय के पूरा नहीं हो सकता। बीजेपी की चुनौती यह भी है कि तमिलनाडु, केरल और आंध्र में उसके संगठन का बहुत विस्तार नहीं हुआ है। बीजेपी के लिए दक्षिण के राज्य कमजोर कड़ी कहे जाते रहे हैं। बीजेपी ने दक्षिण के प्रवेश द्वार कहे जाने वाले कर्नाटक और किसी हद तक तेलंगाना में अपना आधार बढ़ाया है। बीजेपी एनडीए के जरिए दक्षिण में बेहतर परिणाम के लिए संघर्ष कर रही है।

कुछ दशक पहले बीजेपी तमिलनाडु-केरल जैसे राज्यों में छोटी-छोटी सभा और बैठकों के जरिए लोगों से जुड़ने की कोशिश करती थी। लेकिन दक्षिण में वह सिमटी ही रही। लेकिन अब खासकर तमिलनाडु, केरल व आंध्र में भी पीएम मोदी की जनसभाओं में उत्तर भारत की तरह नजारा दिखता है। एक समय तमिलनाडु में अन्ना द्रमुक का साथ लेकर भी बीजेपी की जनसभाएं इतना आकार नहीं लेती थीं। लेकिन अब जब वह तमिलनाडु में अकेले खड़ी है, तब उसकी अपनी उपस्थिति झलकती है। नॉर्थ ईस्ट के राज्यों और पश्चिम बंगाल में बीजेपी ने जिस तरह अपना विस्तार किया उसके पीछे उसकी रणनीति और अभियान को देखा जा सकता है। 2014 से पहले नॉर्थ ईस्ट में बीजेपी की कोई पहचान नहीं थी। लेकिन बीजेपी ने बहुत तेजी से और सधी हुई नीतियों के साथ राज्यों में अपना विस्तार ही नहीं किया बल्कि अधिकांश राज्यों में सरकारें भी बना ली। कहीं बीजेपी ने वहां की स्थानीय सियासी पार्टियों को साधा तो कहीं वहां के प्रभावी नेताओं को साथ जोड़ा। त्रिपुरा जैसे वामपंथ के गढ़ को उसने ध्वस्त किया।

इसी तरह पश्चिम बंगाल में बीजेपी ने पिछले लोकसभा चुनाव में 42 में 18 सीटें हासिल करके अपनी धमक बनाई। इसी तरह विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने 77 सीटों पर जीत हासिल करके चौंकाया था। जिस तरह बीजेपी के लिए नॉर्थ ईस्ट और पश्चिम बंगाल

कठिन लक्ष्य थे उसी तरह दक्षिण भारत की चुनौती भी बड़ी रही है। अब बीजेपी ने रणनीति के साथ दक्षिण के राज्यों के मतदाताओं को को प्रभावित करने की रणनीति बनाई है । पीएम मोदी अगर पांच साल में 47 बार नोर्थ ईस्ट के दौरे पर गए तो दक्षिण भारत की ओर भी उनका जहाज समय समय पर उड़ान भरता रहा है। बीजेपी ने दक्षिण मिशन के लिए संगठन क्षमता को बेहतर करने का प्रयास किया। पीएम मोदी दक्षिण की अपनी जनसभाओं में संसद में स्थापित संगोल का जिक्र करना नहीं भूलते। इसके साथ वह दक्षिण के लोगों से संवाद जोड़ते हैं। वर्ष 2014 के बाद से ही एनडीए सरकार ने कोशिश की है कि दक्षिण की अलग-अलग क्षेत्र की प्रतिभाओं से संवाद किया जाए। यही नहीं पद्म पुरस्कारों के लिए दक्षिण की प्रतिभाओं को आगे लाया गया। इसी कड़ी में इस बार पूर्व पीएम नरसिंह राव और कृषि वैज्ञानिक डा. स्वामीनाथन को भारत रत्न का ऐलान होना देखा जा सकता है। दक्षिण मिशन के लिए केवल पीएम मोदी ही नहीं बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी कई दौरे किए। काशी तमिल संगमम के आयोजनों की श्रृंखला इसी उद्देश्य से है कि किसी तरह दक्षिण और नॉर्थ के बीच संवादों का एक गलियारा तैयार हो। पीएम मोदी दक्षिण में अपने भाषणों की शुरुआत राज्य भाषा की कुछ पंक्तियों से करते हैं। वहां के प्रसिद्ध कवियों के कविताओं की पंक्तियों का उल्लेख करते हैं। पीएम मोदी ने दक्षिण के मठ मंदिर पुरातत्व संग्रहालय हर जगह जाकर लोगों से संवाद जोड़ा है। संसद में पीएम मोदी की शायद ही कोई स्पीच ऐसी हो जिसमें उन्होंने दक्षिण भारत के संदर्भ में कोई बात न कही हो।

बीजेपी ने दक्षिण भारत के राज्यों में भी जनाधार वाले नेताओं पर नजर रखी। साथ ही करिश्माई व्यक्तित्व वाले नेताओं को भी पार्टी से जोड़ने की कोशिश हुई है। असम में हिमंता बिस्वा और पश्चिम बंगाल में सुवेंदु अधिकारी जैसे नेता पार्टी से जुड़े। इसी तरह तेलंगाना में बंदी संजय कुमार पार्टी से जुड़े। तमिलनाडु में प्रशासनिक अधिकारी रहे अन्नामलाई की एन.मन एक मक्कल यानी मेरी भूमि मेरी यात्रा तमिलनाडु के खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को बीजेपी से जोड़ रही हैं। आने वाले समय में बीजेपी तमिलनाडु में विपक्ष की बड़ी पार्टी के रूप में दिख सकती है। दरअसल बीजेपी भविष्य में यहां अन्नाद्रमुक का विकल्प बनने का रास्ता तलाश रही है। यहां डीएमके और कांग्रेस का सशक्त गठबंधन है।

आम आदमी की सुध लेने का वक्त

सुरेश सेठ

कृषि के बारे में कहा गया था कि हम किसानों की आय दोगुनी कर देंगे लेकिन अभी तक ऐसा नहीं हो सका। अगर देश में किसानों की फसलों का उत्पादन बढ़ता है तो उसके भंडारण की व्यवस्था नहीं होती। दूसरी ओर, भारत दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश बन गया। भारत एक युवा देश है लेकिन इसके बावजूद इन युवाओं की श्रमशीलता और कार्यशीलता का सही इस्तेमाल नहीं हो रहा।

वैसे अपने देश में जहां आजकल विकास, उन्नति और दुनिया की बड़ी महाशक्ति बन दूसरों को पछाड़ देने के वादे ही नहीं बल्कि सूचनाएं भी दी जाती हैं तो आम आदमी यही महसूस करता है कि उसकी आर्थिक स्थिति में बहुत परिवर्तन नहीं आया। कृषि के बारे में कहा गया था कि हम किसानों की आय दोगुनी कर देंगे लेकिन अभी तक ऐसा नहीं हो सका। अगर देश में किसानों की फसलों का उत्पादन बढ़ता है तो उसके भंडारण की व्यवस्था नहीं होती। दूसरी ओर, भारत दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश बन गया। भारत एक युवा देश है लेकिन इसके बावजूद इन युवाओं की श्रमशीलता और कार्यशीलता का सही इस्तेमाल नहीं हो रहा। उसे अनुकम्पा नीतियों से बहलाया जा रहा है। किसान भी अपने आप को मंडियों में जाकर सौदा करने की क्षमता में कमजोर पाता है। पहला कारण एक तो यह कि उभरते, संवरते भारत में किसानों द्वारा सहकारिता आंदोलन का कार्यान्वयन हर क्षेत्र में हो जाना चाहिए था जो नहीं हुआ। दूसरा, अगर किसान ने दिन-रात मेहनत करके अपनी उत्पादकता बढ़ाकर अधिक फसल पैदा की है तो उसके भंडारण के लिए गोदाम नहीं मिलते। किसान को कम कीमत के समझौते करने पड़ते हैं।

आम आदमी, किसान और मजदूर को न केवल उसकी मेहनत का अधिक मूल्य देने के लिए दो ही कदम हैं। एक तो यह कि किसान की फसल भंडारण क्षमता को बढ़ा दिया जाए। दूसरा, सहकारी आंदोलन की सहायता से लघु और मध्यम उद्योगों का और कृषि उद्योगों का इस तरह से विकास किया जाए कि लोगों को अपने आप ही रोजगार प्राप्त होने लगे। सरकार ने एक नई योजना शुरू कर दी है। विडंबना है कि इस कृषि प्रधान देश में किसान की उपज में अभी तक महज 47 फीसदी भंडारण की सुविधा है।

सरकार ने घोषणा की है कि सवा लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के निवेश वाली एक महत्वाकांक्षी भंडारण क्षमता योजना देश में निर्मित की जाएगी। जिससे 7 लाख टन फसलों के अतिरिक्त भंडारण की व्यवस्था हो जाएगी। इसके लिए कृषि ऋण समितियों पर निर्भर किया जा रहा है। इन्हें पैक्स कहा जाता है। अभी योजना शुरू हुई है तो इनके अधीन 11 गोदाम बनाए जा रहे हैं। लेकिन अगले दो वर्षों में हजारों गोदाम इन पैक्स के अधीन बनाए जाएंगे ताकि 2027 तक में जितनी फसल पैदा हो, उसका भंडारण हो जाए। खाद्य सुरक्षा करना भी जरूरी है, नहीं तो मूल्य सूचकांकों में खाद्य निर्भरता के कारण कितने उतार-चढ़ाव आते हैं। इसलिए इनका बफर स्टाक भी इन गोदामों में रखा जाएगा। दो वर्षों में 11 राज्यों के 11 गोदामों से हजारों गोदाम बनाकर क्या सौ फीसदी भंडारण पैदा कर सकेंगे? जरूरी है कि इसके लिए न केवल गोदाम बनें बल्कि प्राथमिक कृषि ऋण समितियां भी सार्थक भूमिका निभाएं। पहला अनुभव भ्रष्टाचार के कारण बहुत अच्छा नहीं रहा। अभी तक तो जो गोदाम हैं, या कोल्ड स्टोरेज हैं, वे निजी क्षेत्र के हैं। सरकारी एजेंसियां इन्हें किराए पर लेती हैं। अब महत्वाकांक्षी योजना के लिए 18 हजार पैक्स कंप्यूटरीकृत किए जा रहे हैं। अगर यह समस्या हल हो जाए तो बेशक यह देश के ढांचे में एक मूलभूत सुधार होगा। इसका इंतजार देश की पहली हरित क्रांति से लेकर देश के अभी मनाए अमृत महोत्सव तक होता रहा है।

उम्मीद करते हैं, यह बुनियादी बदलाव लाया जा सकेगा। इसके लिए सहकारी समितियों पर फिर से निर्भर करना होगा। सहकारी आंदोलन आज का नहीं बहुत पुराना आंदोलन है। लेकिन भ्रष्टाचार और स्थानीय नेताओं की आपाधापी के कारण यह आंदोलन असफल हो गया था। पिछले दस साल में इस आंदोलन के पुनर्जीवन पर जोर दिया जाता रहा है। आम आदमी केन्द्रित एक लचीली अर्थव्यवस्था और ग्रामीण क्षेत्र के आधुनिकीकरण के कदम सहकारी आंदोलन से उठाए जा सकते हैं। इस समय द्रुत आर्थिक विकास गति को गति प्रदान करने के लिए निजी क्षेत्र को पूरा प्रोत्साहन दिया जा रहा है। ऐसे में छोटे आदमी का छोटा व्यापार सफल होगा तो कैसे? उसके उद्यम में शक्ति भरी जाएगी तो कैसे? देश में दो समानांतर व्यवस्थाएं आर्थिक प्रगति के लिए चलानी पड़ेंगी।

देश की आधी ग्रामीण जनता आज भी कृषि पर निर्भर करती है लेकिन देश की राष्ट्रीय आय में उसका योगदान केवल 17 प्रतिशत है। वजह छोटे किसानों की छोटी जोतें। सहकारी आंदोलन के संगठन को द्रुत करके छोटे किसानों के छोटे उद्यम को न केवल विस्तार दिया जा सकता है बल्कि उसे अधिक निवेश के काबिल भी बनाया जा सकता है। जरूरत इस समय रोजगारपरक लघु और कुटीर उद्योगों को नया जीवन देने की भी है। योजनाएं ग्रामीणों के भले के लिए चलें तो हमारा ग्रामीण भारत उसी प्रकार सिर उठाकर चल सकेगा जिस प्रकार आजकल शहरी स्वचालित निजी क्षेत्र का उद्योग तरक्की कर रहा है। एक सामंजस्य जरूरी है। उसे उदार अनुकम्पाओं के सहारे कब तक पाला जाएगा?

तिथि और मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार, फाल्गुन महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि 8 मार्च, 2024 को रात्रि 09 बजकर 57 पर शुरू होगी। वहीं अगले दिन यानी 09 मार्च, 2024 शाम 06 बजकर 17 मिनट पर इसका समापन होगा। जानकारी के लिए बता दें, शिवरात्रि की पूजा रात्रि को होती है, इसलिए इस दिन उदयातिथि देखना जरुरी नहीं है।

महाशिवरात्रि

शिव और शक्ति के मिलन का है प्रतीक

पौराणिक कथाओं और मान्यताओं के अनुसार महाशिवरात्रि कई कारणों से महत्व रखती है। एक मान्यता यह है कि इस दिन भगवान शंकर और माता पार्वती का विवाह हुआ था और यह त्योहार उनके दिव्य मिलन का जश्न मनाने के लिए हर साल मनाया जाता है। साथ ही यह शिव और शक्ति के मिलन का भी प्रतीक है। महाशिवरात्रि का महापर्व हर साल फाल्गुन महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है। शिव भक्तों के लिए इस व्रत का विशेष महत्व है। भोलेनाथ की पूजा के लिए महाशिवरात्रि का दिन सबसे अच्छा और शुभ माना जाता है, इसलिए शिव भक्त इस दिन का बेसब्री से इंतजार करते है। महाशिवरात्रि का शाब्दिक अर्थ शिव की महान रात है। भगवान भोलेनाथ ने गृहस्थ जीवन जिया, साथ ही संस्यासी की तरह भी रहे। शरीर पर कपड़ों की जगह जानवरों की खाल, महलों में रहने की बजाए कैलाश पर्वत पर बर्फीले और सर्द माहौल में परिवार संग रहे। तरह-तरह के लजीज भोज की बजाए भांग धतूरा खाकर मस्त रहते। ऐसे हैं भोले भंडारी का जीवन। हालांकि सांसारिक चीजों से दूर रहने वाले भगवान शिव का व्यक्तित्व बहुत ही सरल माना जाता है। वह अपने भक्तों पर तुरंत खुश हो जाते हैं, तो वहीं रुष्ट भी बहुत जल्दी होते हैं।

इतिहास

साथ ही यह शिव और शक्ति के मिलन का भी प्रतीक है। वहीं इस पर्व को लेकर ऐसा भी कहा जाता है कि इस दिन महादेव ने समुद्र मंथन के दौरान निकले जहर को पीकर दुनिया को अंधकार से बचाया था, जिसके चलते उनका गला नीला हो गया था और वे नीलकंठ कहलाएं। इसके अलावा महाशिवरात्रि शिव और उनके नृत्य तांडव के बारे में बात करती है। ऐसा कहा जाता है कि भोलेनाथ इस रात सृजन, संरक्षण और विनाश का अपना लौकिक नृत्य करते हैं।

भगवान शिव के गुण

एकाग्रता- इस ब्रह्मांड के सबसे बड़े योगी भगवान शिव को माना जाता है। हर परिस्थिति में खुद पर काबू रखना आसान नहीं होता लेकिन महादेव जब भी ध्यान पर बैठते तो दुनिया इधर से उधर हो जाए उनका ध्यान कोई भंग नहीं कर सकता है। उनके ध्यान को ही भंग करने के लिए एक बार देवताओं ने कामदेव को भेजा था।

सकारात्मकता- महादेव का एक गुण नकारात्मकता में रहते हुए भी सकारात्मक बने रहना है। जब समुद्र मंथन से विष बाहर आया तो सभी ने कदम पीछे कर लिए लेकिन महादेव ने स्वयं विष पिया। उनका यह गुण सिखाता है कि जीवन में नकारात्मकता आती है, लेकिन उससे गुजरते हुए सकारात्मक बने रहना चाहिए।

जीवन को खुलकर जीना- महादेव की जीवनशैली या उनके अवतारों को उन्होंने बिल्कुल अलग तरीके से जिया। कभी तांडव करते हुए नटराज हो गए तो कभी विष पीने वाले नीलकंठ, मां पार्वती को अपने में समाहित कर अर्धनारीश्वर हो गए तो कभी सबसे पहले प्रसन्न हो जाने वाले भोलेनाथ बन गए।

व्रत के लिए तैयार करें आलू पापड़

कहा जाता है कि भोलेनाथ का व्रत रखकर आप उन्हें प्रसन्न कर सकते हैं। उनकी अराधना से तमाम दुखों का भी नाश होता है। इसी के चलते इस दिन भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए लोग उनकी पूजा अचर्ना करते हैं। बहुत से लोग तो व्रत भी रखते हैं। अगर आप भी महाशिवरात्रि का व्रत रखने का सोच रहे हैं, तो व्रत में खाने के लिए आलू के पापड़ आप पहले से ही तैयार करके रख सकते हैं। ये फलाहारी पापड़ महाशिवरात्रि के साथ-साथ अन्य व्रतों में भी काम आएंगे।

सामान

एक किलो उबले हुए आलू, सेंधा नमक स्वाद के अनुसार, 1/2 छोटी स्पून काली मिर्च, 1/2 छोटी स्पून जीरा।

विधि

व्रत वाले आलू के पापड़ बनाना बेहद आसान होता है। इसके लिए बस सबसे पहले एक बड़े बाउल में उबले हुए आलू को मैश करें। अगर आप चाहें तो आलू को कद्दूकस कर सकती हैं। इससे ये सही से मैश हो सकेंगे। इसके बाद इसमें सेंधा नमक, काली मिर्च, और जीरा डालें। सभी सामग्री को अच्छे से मिलाएं। इसे आपको आटे की तरह ही गूंथ लेना है। जब ये सही तरह से गुंथ जाए तो इससे छोटी-छोटी लोई बना लें। इन लोईयों को पापड़ की मशीन में रखकर इससे महीन पापड़ बना लें। इसे अब दो दिन की तेज धूप लगने दें। दो से तीन दिन तेज धूप लगने के बाद ये सूख जाएंगे। अब इसे आप महाशिवरात्रि के दिन घी में भूनकर इसका स्वाद ले सकते हैं।

हंसना मना है

डॉक्टर - आपका लड़का पागल कैसे हो गया? पिता- वो पहले जनरल बोगी में सफर करता था। डॉक्टर - तो इससे क्या? पिता- लोग बोलते थे थोड़ा खिसको, थोड़ा खिसको, तभी से खिसक गया।

लड़की बंटी से- क्या कर रहे हो? बंटी - मच्छर मार रहा हूं। लड़की बंटी से- अब तक कितने मारे? बंटी- पांच मारे.. तीन फीमेल और दो मेल। लड़की - कैसे पता चला कि मेल कौन है और फीमेल कौन? बंटी - तीन आईने पर बैठे थे और दो बियर के पास।

टीचर- रमेश, बताओ अगर तुम्हारा बेस्ट फ्रेंड और तुम्हारी गर्लफ्रेंड दोनों डूब रहे हों, तो तुम पहले किसको बचाओगे? रमेश- डूब जाने दूंगा दोनों को... आखिर दोनों एक साथ कर क्या रहे थे।

लड़का - आई लव यू डियर, लड़की - तुझे मेरी चप्पल का साइज तो पता है ना? लड़का - अरे...पहले से ही गिफ्ट मांगने शुरू कर दिए, मैं नहीं दे रहा कोई सैंडल-वैंडल।

कहानी - गौरैया और बंदर

एक बार की बात है, एक जंगल के किसी घने पेड़ पर एक गौरैया का जोड़ा रहता था। वो उस पेड़ पर अपना घोंसला बनाकर गुजर-बसर करते थे। दोनों खुशी-खुशी अपना जीवन बीता रहे थे। फिर आया सर्दियों का मौसम, इस बार बहुत ही कड़ाके की ठंड पड़ने लगी। ठंड से बचने के लिए एक दिन कुछ बंदर उस पेड़ के नीचे ठिठुरते हुए पहुंचे। तेज ठंडी हवाओं से सभी बंदर कांप रहे थे और बहुत ही परेशान थे। पेड़ के नीचे बैठने के बाद वो आपस में बात करने लगे कि काश कहीं से आग सेंकने को मिल जाती तो ठंड दूर हो जाती। उसी बीच एक बंदर की नजर पास पड़ी सूखी पत्तियों पर पड़ी। उसने दूसरे बंदरों से कहा, चलो इन सूखी पत्तियों को इकट्ठा करके जलाते हैं। उन बंदरों ने पत्तियों को एक जगह इकट्ठा किया और उन्हें जलाने का उपाय करने लगे। ये सब पेड़ पर बैठी गौरैया देख रही थी। ये सब देखकर उससे रहा नहीं गया और वो बंदरों से बोल पड़ी, तुम लोग कौन हो?, देखने में तो तुम आदमियों की तरह लग रहे हो, हाथ-पैर भी हैं, तुम अपना घर बनाकर क्यों नहीं रहते? गौरैया की बात सुनकर ठंड से कांप रहे बंदर चिढ़ गए और बोले, तुम अपना काम करो, हमारे काम में पड़ने की जरूरत नहीं है। इतना कहने के बाद वो फिर आग जलाने के बारे में सोचने लगे और अलग-अलग तरीके अपनाने लगे। इतने में बंदरों की नजर एक जुगनू पर पड़ी। वो चिल्लाने लगा, देखो ऊपर हवा में चिंगारी है, इसे पकड़कर आग जलाते हैं। यह सुनते ही सारे बंदर उसे पकड़ने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाने लगे। ये देख चिड़िया फिर बोल पड़ी, यह जुगनू है, इससे आग नहीं सुलगेगी। तुम लोग दो पत्थरों को घिसकर आग जला सकते हो। बंदरों ने चिड़िया की बात को अनसुना कर दिया। कई कोशिश के बाद उन्होंने जुगनू को पकड़ लिया और फिर उससे आग जलाने की कोशिश करने लगे, पर वो इस काम में कामयाब नहीं हो पाए और जुगनू उड़ गया। इससे बंदर निराश हो गए। इतने में फिर से गौरैया बोल उठी, आप लोग मेरी बात मानिए, पत्थर रगड़कर आप आग जला सकते हैं। इतने में एक गुस्साए हुए बंदर से रहा न गया और उसने पेड़ पर चढ़कर गौरैया के घोंसले को तोड़ दिया। यह देख चिड़िया दुखी हो गई और डर कर रोने लगी। इसके बाद वो उस पेड़ से उड़कर कहीं और चली गई।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे।

वृषभ व्यवसाय में ध्यान देना पड़ेगा। व्यर्थ समय न गंवाएं। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी।

मिथुन परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है।

कर्क कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति निर्मित होगी। प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। व्यापार में लाभ होगा।

सिंह बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी।

कन्या पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा।

तुला दूर से बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। बेवजह तनाव रहेगा। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है।

वृश्चिक कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चिंता बनी रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा।

धनु उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे।

मकर नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति संभव है। यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे।

कुम्भ फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। बजट बिगड़ेगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी।

मीन यात्रा लाभदायक रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

अमिताभ ने की मालदीव विवाद पर एस जयशंकर के बयान की तारीफ

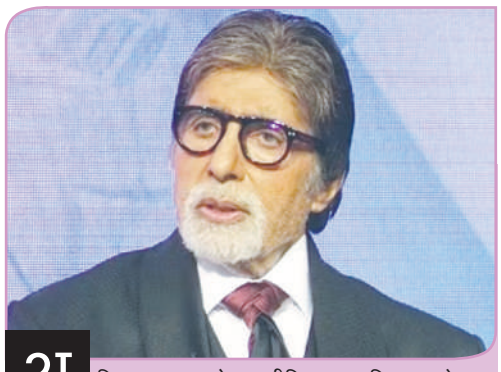

अमिताभ बच्चन सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाले सेलिब्रिटी है। कभी ब्लॉग, तो कई बार एक्स पर बिग बी अपनी बात कहते हैं। अब उन्होंने मालदीव विवाद पर विदेश मंत्री एस जयशंकर की तारीफ की है। टूरिज्म को लेकर मालदीव और भारत के बीच पिछले कुछ समय से लगातार अनबन देखने को मिली रही है। मालदीव की तरफ से इल्जाम लगाया था कि भारत उपमहाद्वीपों पर धौंस जमाने की कोशिश कर रहा है। एस जयशंकर ने हाल ही में अपनी किताब व्हाई भारत मैटर्स के प्रमोशन के दौरान इस आरोप का मुंहतोड़ जवाब दिया। विदेश मंत्री के बयान ने अमिताभ बच्चन को बेहद इम्प्रेस किया। एस जयशंकर की बातों से कायल बिग बी ने एक्स पर उनके वीडियो को पोस्ट करते हुए तारीफ की। अमिताभ बच्चन ने एस जयशंकर का वीडियो शेयर करते हुए लिखा, वाह.. बिल्कुल ठीक कहा सर आपने..। बिग बी के इस कमेंट पर कई फैंस ने उनकी तारीफ की। वहीं, कुछ लोगों ने उनसे पूछा कि क्या वो अब राजनीति में जाने का मन बना रहे हैं। एस जयशंकर के बयान की बात करें तो उन्होंने कहा, अगर आप भारत को बड़ा बदमाश मानते हैं तो ये मत भूलिए कि बदमाश बुरे वक्त में अपने पड़ोसियों को साढ़े चार अरब डॉलर की मदद नहीं दिया करते। बदमाश अपने पड़ोसी देशों को वैक्सीन की आपूर्ति नहीं किया करते, जब कोविड-19 चल रहा था या फिर खाना, ईंधन और फर्टिलाइजर की मांग को पूरे करने के लिए अपने नियमों में बदलाव नहीं करते, क्योंकि दुनिया के कुछ हिस्सों में युद्ध की वजह से लोगों की जिंदगियां तहस- नहस हो रही हैं।

भक्षक में किरदार था बेहद चुनौतीपूर्ण : भूमि

बॉलीवुड | मसाला

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर इन दिनों अपनी फिल्म भक्षक की लेकर चर्चा में हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई इस फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया है। वहीं, समीक्षकों ने भी भक्षक और फिल्म में भूमि के किरदार की खूब सराहना की है। अपने किरदार को मिल रही प्रशंसा से भूमि काफी खुश हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने एक साक्षात्कार में भक्षक की सफलता और फिल्मों के चयन को लेकर बातचीत की। इस दौरान भूमि ने कहा कि दर्शकों से भक्षक को मिली रही प्रतिक्रिया से काफी खुश हूं। हाल ही में भूमि की पहली फिल्म दम लगा के हईशा को नौ साल पूरे हो गए। इस फिल्म की सफलता और प्रतिक्रिया को याद करते हुए भूमि ने कहा, भक्षक की सफलता मुझे अपनी फिल्म हिट फिल्म की याद दिलाती है। मुझे अपनी पहली फिल्म के साथ बिल्कुल ऐसा ही महसूस हो रहा है, जैसा अभी मैं भक्षक के साथ महसूस कर रही हूं। मैं वाकई बहुत खुश हूं। भूमि ने टॉयलेट- एक प्रेम कथा, बधाई दो और शुभ मंगल सावधान जैसी सामाजिक मुद्दों पर आधारित फिल्मों को लेकर कहा, मुझे ऐसी फिल्में करना पसंद है। ऐसी फिल्में दर्शकों को भी खूब पसंद आते हैं और इनके किरदार समाज पर एक गहरा प्रभाव छोड़ते हैं। मुझे अपने काम से लोगों को प्रभावित करना पसंद है। मैं चाहती हूं कि मैं जो भी भूमिका करूं, उसमें अपना 100 प्रतिशत दूं, चाहे वह किरदार जैसा भी हो। भूमि ने आगे कहा कि कई बार ऐसा भी होता है कि मेरी फिल्म में कोई सामाजिक संदेश नही होता, लेकिन फिल्म मेरा किरदार हमेशा दमदार रहता है। इस दौरान भूमि ने एक दिलचस्प किस्सा भी साझा किया। भूमि ने बताया, भक्षक की शूटिंग खत्म करने के बाद मैंने तुरंत थैंक यू फॉर कमिंग की शूटिंग शुरू कर दी थी। भक्षक की शूटिंग काफी कठिन थी। हालांकि, थैंक यू फॉर कमिंग की शूटिंग के बाद मैं भक्षक की शूटिंग के दौरान की मानसिक स्थिति से बाहर आ सकी। क्योंकि यह एक कॉमेडी फिल्म थी और भक्षक एक बेहद गंभीर मुद्दे पर आधारित थी। भूमि ने आगे कहा, मैंने हमेशा अपने करियर में प्रयोग किए हैं। अब एक अभिनेता के लिए ये मायने नहीं रखता कि उसकी फिल्म कहां रिलीज होगी। हालांकि, बॉक्स ऑफिस रिलीज को लेकर थोड़ा दबाव अधिक होता है क्योंकि फिल्मों को उनके प्रदर्शन और आंकड़ों के आधार पर आंका जाता है। मेकर्स और एक्टर्स को नंबर गेम में नहीं फंसना चाहिए।

सारा अली खान की फिर बंधी ए वतन मेरे वतन से आस

अभिनेत्री सारा अली खान की आगामी फिल्म ए वतन मेरे वतन का ट्रेलर सोमवार को फिल्म के मेकर्स ने ऑनलाइन लांच कर दिया। एक गुमनाम नायक की अनकही कहानी में अभिनेत्री सारा अली खान का दमदार अवतार नजर आ रहा है। सारा अली खान कहती है कि इस तरह का दमदार किरदार निभाना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है, जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। फिल्म ए वतन मेरे वतन के ट्रेलर में अपने दमदार अवतार को देखकर उत्साहित सारा अली खान कहती हैं, मेरी खुशकिस्मती है कि मुझे यह किरदार निभाने का मौका मिला, जिसके लिए मैंने चीजों को अपने नजरिए से देखने के साथ-साथ यह समझने की कोशिश की, कि कौन सी बात मुझे प्रेरित करती है। यह फिल्म अनगिनत गुमनाम नायकों के बलिदान की याद दिलाती है, इसके साथ ही यह फिल्म इंसान के जज्बातों और उनके साहस की मिसाल पेश करती है। इस फिल्म में अभिनेता इमरान हाशमी स्पेशल गेस्ट अपीयरेंस में हैं। वह कहते हैं, यह मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है कि मुझे भारत के आजादी की लड़ाई के एक राजनेता का किरदार निभाने का मौका मिला। सारा अली खान के साथ यह मेरी पहली फिल्म है, फिल्म में अपने दमदार परफॉर्मेंस से वह दर्शकों को हैरत में डाल देंगी। मुझे इस बात की खुशी है कि इस तरह की दिल को छू लेने वाली कहानी का मैं भी एक छोटा सा हिस्सा हूं। फिल्म ए वतन मेरे वतन का निर्देशन कन्नन अय्यर ने किया है। वह कहते हैं, यह फिल्म ऐतिहासिक घटनाओं से प्रेरित होने के साथ-साथ यह उन गुमनाम नायकों को श्रद्धांजलि है, जिनकी असाधारण वीरता ने हमारे देश के इतिहास को आकार दिया। यह फिल्म साल 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन की सच्ची घटना पर आधारित है, जो भारत की आज़ादी की लड़ाई के एक बड़े अहम अध्याय की कहानी बयां करती है। फिल्म में सारा अली खान और इमरान हाशमी के अलावा सचिन खेडेकर, अभय वर्मा, स्पर्श श्रीवास्तव, एलेक्स ओ नील और आनंद तिवारी की मुख्य भूमिकाएं हैं। यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज ना होकर सीधे ओटीटी प्लेटफार्म प्राइम वीडियो पर 21 मार्च 2024 को रिलीज हो रही है।

बोलीं- ये किरदार मेरे लिए सम्मान की बात

अजब-गजब | इस महिला ने लाखों की नौकरी को मारी लात

अब पर्सनल फोटोज बेच कमा रही करोड़ों

करियर को लेकर ज्यादातर युवा चिंतित रहते हैं। बस उनकी ख्वाहिश होती है कि कैसे भी एक जमी-जमाई नौकरी मिल जाए, जिसमें हर महीने लाख रुपए की सैलरी आ जाए। इसके लिए लोग जमकर पढ़ाई करते हैं। फिर परीक्षा देकर इंजीनियरिंग, डॉक्टरी, सीए, सीएस जैसे कोर्स पूरा करते हैं। इसके बाद ही उन्हें बेहतर नौकरी मिल पाती है। लेकिन कुछ ऐसे लोग भी मिल जाते हैं, जिन्हें इन नौकरियों में मन नहीं लगता। ऐसे में वो कुछ नया करना चाहते हैं। कोलंबिया की रहने वाली ऐसी ही एक 24 साल की महिला अप्रैल हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि फाइनेंस के क्षेत्र में अप्रैल बेहतर काम कर रही थीं। इसके बदले में उन्हें अच्छी खासी सैलरी भी मिल रही थी, क्योंकि इनका फोकस हमेशा से गोल को अचीव करने पर होता था। लेकिन एक दिन इनका नौकरी से मन भर गया। ऐसे में अप्रैल ने अच्छी-खासी कमाई वाली नौकरी को लात मार दी और खुद के पर्सनल फोटोज को बेचना शुरू कर दिया। डेलीस्टार से बातचीत करते हुए अप्रैल ने बताया कि मेरा लक्ष्य बहुत बड़ा है और मैं जिस बैंक में काम कर रही थी, वहां की मैं बेस्ट इकोनॉमिस्ट (आर्थिक सलाहकार) थी। लेकिन मुझे लगता था कि मैं जितनी मेहनत कर रही हूं, उसकी तुलना में मेरी सैलरी काफी कम है। अप्रैल ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान जब एक दोस्त ने मुझे एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के बारे में बताया, जहां मैं खुद की फोटोज और वीडियो लाइव दिखा सकती थी। ऐसे में मैंने इसे आज़माने का फैसला किया और मुझे यह पसंद आया! अप्रैल के मुताबिक, मुझे लाइवजैस्मीन के सदस्यों के साथ अपनी पर्सनल लाइफ की कहानियां शेयर करना, उन्हें और उनकी आकर्षक बैकग्राउंड को जानना पसंद है। मुझे उनके साथ बातचीत करने में बहुत मजा आता है। अब मैं पहले से कहीं ज्यादा खुश हूं। बता दें कि अप्रैल एक वेबकैम सेवा LiveJasmin से जुड़ी एक मॉडल और कंटेंट क्रिएटर हैं। इस दौरान जब वे अपने फैंस से मुखातिब होती हैं, तब उनका बोल्ड अंदाज देख लोग कई तरह के पर्सनल कमेंट्स करते हैं, लेकिन वह इससे घबराती नहीं है। उन्होंने खुलासा किया, मेरे अधिकांश फैंस बातूनी हैं और नई चीजें सीखना चाहते हैं। वे मेरी निजी तस्वीरें देखने आते हैं, लेकिन बेहद तहजीब से पेश आते हैं। वे मुझे महसूस कराते हैं कि मैं उनके दिलों की रानी हूं। अपनी फाइनेंस जॉब छोड़ने से पहले अप्रैल रोजाना लगभग 8 हजार रुपए कमाती थीं, लेकिन अब पर्सनल फोटोज दिखाकर वे साल में करोड़ों रुपए कमा रही हैं। अप्रैल ने खुद कहा कि बैंक में काम करने के दौरान मैं जितनी मेहनत करती थी, कमाई उसकी तुलना में बहुत कम थी। लेकिन अब बहुत ज्यादा है।

नाबालिग ने बना लिया देश, खुद बन बैठा राष्ट्रपति, तैयार कर लिया झंडा!

14 साल का लड़का पढ़ाई में अव्वल आ सकता है। अगर वो बहुत क्रिएटिव हुआ तो कुछ नया बना सकता है या स्पोर्ट्स में कुछ अच्छा कर सकता है। कोई ये तो नहीं सोच सकता कि इस उम्र में कोई अपना देश बनाकर चलाने लगेगा। सुनने में ये जितना अजीब है, दरअसल ये घटना भी उतनी ही अनोखी है वरना कोई इस उम्र में किसी देश का प्रेसिडेंट कैसे बनेगा और कौन उसे प्रेसिडेंट मानेगा? आमतौर पर जिस उम्र में लड़के गंभीर होना शुरू कर देते हैं और अपने भविष्य के बारे में समझने की कोशिश कर रहे होते हैं, उस उम्र में एक लड़का पूरा का पूरा देश संभालने लगा। इस लड़के का नाम डेनियल जैकसन है और उसने साल 2019 में कुछ लोगों के साथ मिलकर एक देश की स्थापना कर ली और खुद इसका प्रेसिडेंट बन गया। डेलीस्टार की रिपोर्ट के मुताबिक रिवर दैनुबे के पास The Free Republic of Verdis नाम का एक देश है। ये देश सिर्फ 0.2 स्क्वायर मील यानि पार्क से भी छोटा होगा। इस देश का राष्ट्रपति डेनियल जैकसन है। उसने MyLondon से बात करते हुए बताया कि सिर्फ 14 साल की उम्र में उसने कुछ लोगों के साथ मिलकर इस देश की स्थापना की क्योंकि इस जगह पर किसी का कब्ज़ा नहीं था। इन्हीं लोगों ने उसे The Free Republic of Verdis नाम के इस माइक्रोनेशन का राष्ट्रपति चुन लिया। इस देश में जाने का सिर्फ एक ही रास्ता है, जो 5 मील तक नाव से होकर आता है। डेनियल जैकसन के इस देश में वो व्यवस्थाएं बनाना चाहते हैं। अब 19 साल के हो चुके डेनियल का कहना है कि उन्होंने यूक्रेन को युद्ध के दौरान मदद भी पहुंचाई है। अब तक 400 लोग इस देश की नागरिकता ले चुके हैं और 15000 लोगों ने इसके लिए साइन इन किया है और वे नागरिकता के लिए इंतज़ार कर रहे हैं। वो बात अलग है कि इस देश में इंफ्रास्ट्रक्चर के नाम पर अभी कुछ भी नहीं है। डेनियल के देश को पड़ोसी क्रोएशिया से खतरा है, जो रूस के प्रभाव में है। उसके साथ उनके देश की अघोषित युद्ध की स्थिति बनी हुई है।

मोदी सरकार ने पिछड़ों व वंचितों की नौकरी के अवसर खत्म किए : राहुल

सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों को बंद करने से बढ़ी बेरोजगारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिवपुरी/गुना (मप्र)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का मोदी सरकार पर हमला जारी है। भारत जोड़ो न्याया यात्रा के दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के युवाओं को पहले सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों में नौकरियां मिल जाती थीं, लेकिन मोदी सरकार ने इस अवसर को भी खत्म कर दिया। मध्य प्रदेश में 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दौरान सभाओं को संबोधित करते हुए गांधी ने मीडिया पर चीन, पाकिस्तान, क्रिकेट और बॉलीवुड का राग अलापकर लोगों का ध्यान भटकाने का भी आरोप लगाया।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि पहले एससी, एसटी और सामान्य वर्ग के लोगों को भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स (बीएचईएल) जैसी सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों में नौकरियां मिलती थीं, लेकिन मोदी सरकार ने इन क्षेत्रों को बंद कर दिया है। उन्होंने कहा, ''अगर युवा देश की सेवा करना चाहते थे, तो उन्हें सेना में नौकरी मिल जाती थी, लेकिन अब उन्होंने (केंद्र) अग्निवीर योजना शुरू की है। इस योजना के तहत, यदि किसी व्यक्ति को ड्यूटी के समय गोली लग जाती है (उसकी मौत हो जाती है), तो उन्हें न पेंशन मिलेगी और न ही शहीद का दर्जा दिया जाएगा।''

उन्होंने इस बात को दोहराया कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो नई सरकार विभिन्न वर्गों के साथ न्याय करने के लिए जाति जनगणना करेगी। राहुल गांधी ने कहा, ''जाति जनगणना सामाजिक न्याय करने के लिए एक क्रांतिकारी कदम होगा, क्योंकि इससे किसी विशेष जाति के व्यक्तियों की सटीक संख्या और उनके हाथों में कितना पैसा है, इस बारे में पता चल जाएगा।

गरीब आदमी अपनी कमाई सिर्फ कर में चुका रहा

उन्होंने दावा किया, ''जीएसटी व्यवस्था के तहत अमीर लोगों के साथ-साथ गरीबों को भी सामान खरीदते समय एक समान दर से कर का भुगतान करना पड़ता है। इसका मतलब है कि अमीर अपनी कुल आय में से एक निश्चित राशि का कर चुकाते हैं, लेकिन गरीब आदमी को अपनी कुल आय का एक बड़ा हिस्सा कर के तौर पर देना पड़ता है।

मीडिया मुद्दों से ध्यान भटका रही

कांग्रेस नेता ने दावा किया कि मीडिया अंबानी परिवार में शादी को कवर करने में व्यस्त है, लेकिन उसके पास प्रमुख मुद्दों को कवर करने का समय नहीं है। उन्होंने कहा, ''देश तीन प्रमुख चुनौतियों बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार का सामना कर रहा है, लेकिन वे मीडिया से गायब हो गए हैं। वे (मीडिया) आपको ये मुद्दे नहीं दिखाएंगे, लेकिन वे चीन, पाकिस्तान, क्रिकेट या बॉलीवुड के बारे में दिखाकर आपका ध्यान भटकाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया, ''जैसे ही आपका ध्यान इधर-उधर जाएगा, आपकी जेब से पैसा निकल जाएगा और सीधे अडानी जी की जेब में चला जाएगा।'' शिवपुरी में अपने भाषण के बीच में राहुल गांधी ने एक सुरक्षाकर्मी द्वारा ले जाई जा रही राइफल की ओर इशारा किया और उससे इसके निर्माण के बारे में पूछा। इसके तत्काल के बाद उन्होंने कहा, ''यह एक इंसास राइफल है, जिसे अडानी द्वारा भारतीय टैग के तहत इज़राइल की मदद से निर्मित किया जा रहा है। पहले, राइफल का निर्माण आयुध कारखाने में किया जाता था, जो अब एक बंद इकाई है।'' वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का उल्लेख करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि कर व्यवस्था के तहत गरीबों की जेब से पैसा निकालकर अमीरों की जेब में स्थानांतरित किया जा रहा है।

महुआ को हाईकोर्ट से झटका

संसद में सवाल के बदले रिश्वत मामले में आवेदन खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा को पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने महुआ की उस अर्जी को खारिज किया है, जिसमें भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और वकील जय अनंत देहाद्राई को ऐसी कोई भी सामग्री पोस्ट करने, प्रकाशित करने, अपलोड करन से रोकने का निर्देश देने की मांग की गई थी, जिसमें कहा गया था कि उन्होंने संसद में प्रश्न पूछने के लिए व्यवसायी दर्शन हीरानंदानी से रिश्वत ली थी। तृणमूल कांग्रेस की नेता महुआ मोइत्रा पर कारोबारी दर्शन हीरानंदानी के कहने पर संसद में सवाल पूछने का आरोप है।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने दावा किया था कि ये सबूत वकील जय अनंत देहादराई द्वारा प्रदान किए गए थे। लोकसभा स्पीकर को लिखे अपने पत्र में दुबे ने कहा था कि उन्हें वकील और महुआ के पूर्व दोस्त जय अनंत का एक पत्र मिला है, जिसमें उन्होंने मोइत्रा और जाने-माने बिजनेस टाइकून दर्शन हीरानंदानी के बीच सवाल पूछने के लिए रिश्वत के आदान-प्रदान के सबूत साझा किए हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि जय ने एक विस्तृत शोध किया है जिसके आधार पर उन्होंने निष्कर्ष निकाला है कि हाल ही में, मोइत्रा ने संसद में उनके द्वारा पूछे गए कुल 61 में से लगभग 50 प्रश्न दर्शन हीरानंदानी और उनकी कंपनी के व्यावसायिक हितों को बचाने के लिए थे।

फेमा उल्लंघन मामले में ईडी ने 11 मार्च को किया तलब

प्रवर्तन निदेशालय ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) उल्लंघन मामले में पूछताछ के लिए टीएमसी नेता और निष्कासित लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा को 11 मार्च को नया समन जारी किया है। मोइत्रा को फेमा के तहत अपना बयान दर्ज कराने के लिए 19 फरवरी को दिल्ली में एजेंसी के सामने पेश होने के लिए कहा गया था, लेकिन वह ऐसा करने में विफल रहीं और तीन सप्ताह का समय मांगा। मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने कहा कि मोइत्रा के खिलाफ फेमा के तहत मामला दर्ज किया गया है क्योंकि उसके पास अज्ञात सहित कुछ विदेशी लेनदेन के बारे में जानकारी है जिसकी अधिनियम के तहत जांच की जा रही है।

बीजेपी और आरएलडी नेताओं के बीच खटपट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेरठ। उत्तर प्रदेश में पश्चिमी यूपी की सीट अलीगढ़ में बीजेपी और आरएलडी नेताओं के बीच खटपट बढ़ रही है। आरएलडी के पूर्व विधायक प्रमोद गौड़ ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी को एक पत्र लिखा है। इस पत्र के जरिए उन्होंने बीजेपी सांसद सतीश गौतम को टिकट नहीं देने की अपनी मांग रखी है।

उन्होंने कहा है कि अगर सतीश गौतम को टिकट दिया जाता है तो नुकसान हो सकता है। चिट्ठी में आरएलडी के पूर्व विधायक प्रमोद गौड़ का दावा है कि बीजेपी सांसद सतीश गौतम का चरित्र काफी दागदार है। सतीश गौतम के तार शराब कांड और भू-माफिया से जुड़े हुए हैं. उन्होंने अपनी चिट्ठी में लिखा, पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार द्वारा किसानों, गरीबों और नौजवानों की मसीहा पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न से सम्मानित करने की बहुत बहुत शुभकामनाएं।

राम मंदिर पर टीएमसी के बिगड़े बोल से बवाल

रामेंदु सिन्हा राय ने राम मंदिर को अपवित्र स्थान बताया है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के विधायक रामेंदु सिन्हा राय ने अयोध्या में नवनिर्मित भव्य राम मंदिर को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने राम मंदिर को अपवित्र स्थान बताया है। यही नहीं, उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी भारतीय हिंदू को ऐसे अपवित्र स्थल पर पूजा नहीं करनी चाहिए। हुगली जिले के तारकेश्वर से तृणमूल विधायक की इस टिप्पणी पर बवाल छिड़ गया है।

टीएमसी नेता भगवान को बता रहे अपवित्र : सुवेंदु

तृणमूल पर हमला बोलते हुए सुवेंदु ने कहा कि यह है सत्तारूढ़ दल के नेताओं की सच्चाई। हिंदुओं पर आक्रमण करते- करते उनकी हिम्मत इतनी बढ़ गई है कि वह अब भगवान श्री राम के भव्य मंदिर को 'अपवित्र' बताने की धृष्टता कर रहे हैं। उनके इस वर्णन से भगवान श्री राम के प्रति तृणमूल नेतृत्व की अनुभूति उजागर होता है। बता दें कि रामेंदु सिन्हा राय आरामबाग संगठनात्मक जिले के तृणमूल अध्यक्ष भी हैं।

बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता व भाजपा विधायक सुवेंदु अधिकारी ने इस बयान की कड़ी निंदा करते हुए तृणमूल विधायक के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराने की बात कही है। सुवेंदु ने एक्स हैंडल पर लिखा,मैं न केवल उनके इस अपमानजनक बयान की कड़ी निंदा करता हूं, बल्कि दुनिया भर के हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले ऐसे घृणित बयान के लिए इस व्यक्ति के खिलाफ एफआइआर दर्ज करने की भी तैयारी कर रहा हूं।

मुंबई 48वीं बार रणजी ट्रॉफी के फाइनल में

» सेमीफाइनल में तमिलनाडु को दी मात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। रणजी ट्रॉफी 2024 के दूसरे सेमीफाइनल में मुंबई ने तमिलनाडु को 70 रन से मात दी है। इसके साथ ही टीम रणजी ट्रॉफी के फाइनल में पहुंची है। ये 48वीं बार है जब मुंबई रणजी ट्रॉफी के फाइनल में पहुंची है। निर्णायक मैच में मुंबई की भिड़ंत पहले सेमीफाइनल विजेता टीम से होगी।

पहला सेमीफाइनल मैच विदर्भ और मध्यप्रदेश के बीच खेला जा रहा है। वहीं रणजी ट्रॉफी 2024 का फाइनल मुकाबला 10 मार्च से 14 मार्च के बीच खेला जाएगा। ये मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जा सकता है।

109 रन बनाने के साथ ही शार्दुल ठाकुर ने दोनों पारियों में लिए चार विकेट

सेमीफाइनल में शार्दुल ठाकुर ने शानदार ऑलराउंडर प्रदर्शन किया। उन्होंने 109 रन बनाने के साथ ही दोनों पारियों में मिलकर 4 विकेट भी लिए। ऐसे में उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। मुकाबले की बात करें तो तमिलनाडु ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में सभी विकेट खोकर 146 रन बनाए। विजय शंकर ने सबसे ज्यादा 44 रन की पारी खेली। उनके अलावा वॉशिंगटन सुंदर ने 43, एम मोहम्मद ने 17 और एस अजित राम ने 15 रन बनाए। मुंबई की ओर से तुषार देशपांडे ने 3 विकेट जबकि शार्दुल-तनुश कोटियन और मुशीर खान को 2-2 और मोहित अवस्थी को 1 सफलता मिली है। वहीं जवाब में मुंबई ने पहली पारी में शार्दुल ठाकुर (109) के शतक की बदौलत 378 रन बनाए। ठाकुर के अलावा तनुष कोटियन ने 89, मुशीर खान ने 55 और हार्दिक तमोरे ने 35 रन बनाए। तमिलनाडु की ओर से कप्तान साई किशोर ने सबसे ज्यादा 6 विकेट चटकाए। साथ ही कुलदीप सेन ने 2 और संदीप वारियर वॉशिंगटन ने 1-1 विकेट झटका। मुंबई के पास पहली पारी के आधार पर 232 रनों की बढ़त थी। ऐसे में मुंबई ने तमिलनाडु को फॉलोआ खेलने के लिए बुलाया। साथ ही रणजी ट्रॉफी का फाइनल मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जा सकता है। एमसीए के एक अधिकारी ने क्रिकबज को बताया कि, संभावना है कि वानखेड़े ही आयोजन स्थल होगा।

सुएज इंडिया कंपनी की शिकार बनी आम जनता

जलकल विभाग की मिलीभगत से कागजों में हो रहा मेंटेनेंस, उफनाते सीवर के बीच रहने को मजबूर लोग

मो. शारिक/ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ वैसे तो स्मार्ट सिटी में गिनी जाती है लेकिन हकीकत में स्मार्ट जैसा यहां कुछ रह नहीं गया। जहां सरकारी विभाग तो अपनी कारगुजारियों से इस खूबसूरत शहर को पिछड़ा बना ही रहे हैं। अब प्राइवेट कंपनियां भी इसको चूना लगाने में लग गई हैं।

ताजा मामला ये है कि स्मार्ट सिटी में दाग लगाने का काम जलकल विभाग और सुएज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी मिलकर कर रही है। कंपनी के काम करने के रवैये से जहां नगर निगम में नाराजगी है वहीं आम जनता परेशान है। राजधानी लखनऊ की जनता कहती है अभी बरसात का मौसम आने में कई महीने बाकी है लेकिन राजधानी लखनऊ की सीवर की व्यवस्था मानो बरसात के मौसम जैसी हो गई है। राजधानी के कई ऐसे इलाके हैं जहां पर सीवर की समस्या खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। सीवर की समस्या इसलिए भी खत्म नहीं हो रही है क्योंकि कागजी कंपनी सिर्फ कागजों में सीवर मेंटेनेंस और सफाई का काम करती है जबकि धरातल पर सिर्फ ढक्कन बदलने का काम किया जाता है।

सुएज को मेंटेनेंस के नाम पर बंटते हैं करोड़ों रुपये

सुएज को मेंटेनेंस के नाम पर हर साल करोड़ों रुपए का बजट दिया जाता है बदले में आम जनता को सड़क पर बदबूदार सीवर का पानी मिलता है। प्राइवेट कंपनी से काम करने की जिम्मेदारी जलकल विभाग की होती है ऐसे में जलकल विभाग भी कहीं ना कहीं लापरवाह बना हुआ है और प्राइवेट कंपनी को मोटी कमाई कर रहा है यही नतीजा है की राजधानी लखनऊ के कई इलाकों में सीवर की समस्या से आमजन बेहाल है।

जोन-1 में खत्म नहीं हो रही सीवर की समस्या

जोन-1 के नजर बाग का इलाका हो या फिर यदुनाथ सान्याल वार्ड में सीवर सड़क पर बहता दिखाई देगा। इतना ही नहीं यदुनाथ सान्याल/नजरबाग वार्ड में सीवर सालों से चोक पड़े हैं जनता शिकायत करती है लेकिन सुनने वाला कोई नहीं है स्थानीय निवासियों के मुताबिक की सफाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की जाती है और खाना पूर्ति कर कंपनी के कर्मचारी चले जाते हैं। वहां के रहने वाले मुश्ताक व अविनाश का कहना है कि सीवर की समस्या जस की तस बनी रहती है। सीवर की समस्या स्मार्ट सिटी को भी बदनाम करने पर तुली हुई है आखिर क्यों जिम्मेदार कंपनी की गैर जिम्मेदार हरकत पर कोई कार्रवाई नहीं करते हैं।

फोटो: सुमित कुमार

प्रदर्शन भारतीय किसान यूनियन(अराजनैतिक) ने अपनी माँगों की लेकर शक्ति भवन के सामने किया प्रदर्शन।

माओवादी लिंक मामले में दिल्ली विवि के पूर्व प्रोफेसर साईबाबा बरी

» बॉम्बे हाई कोर्ट ने दिया फैसला पांच और लोगों को भी राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने माओवादी लिंक मामले में दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर जीएन साईबाबा और पांच अन्य को बरी कर दिया। न्यायमूर्ति विनय जोशी और न्यायमूर्ति एसए मेनेजेस की पीठ ने नागपुर सत्र अदालत के फैसले को पलट दिया है, जिसने 2017 में जीएन साईबाबा और अन्य को दोषी ठहराया था।

बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर पीठ ने कथित माओवादी लिंक मामले में मंगलवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर जीएन साईबाबा और पांच अन्य को बरी कर दिया। अदालत का फैसला साईबाबा और अन्य की अपील के बाद आया, जिसमें उन्होंने उन्हें दोषी ठहराने के 2017 सत्र अदालत के आदेश को चुनौती दी थी। उच्च न्यायालय की पिछली पीठ ने भी 14 अक्टूबर, 2022 को विकलांग प्रोफेसर को बरी कर दिया था, जिसके बाद अदालत ने साईबाबा की अपील पर भी दोबारा सुनवाई की।

मामला साबित करने में विफल रहा अभियोजन : कोर्ट

जस्टिस विनय जोशी और वाल्मिकी एसए मेनेजेस की पीठ ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ मामला साबित करने में विफल रहा है। पीठ ने कहा कि कानूनी और उचित मंजूरी के अभाव में, गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत मंजूरी को अमान्य और शून्य रखा गया है। पीठ ने आगे कहा कि कानून के अनिवार्य प्रावधानों के उल्लंघन के बावजूद गढ़चिरोली सत्र अदालत द्वारा मुकदमा चलाया जाना न्याय की विफलता के समान है। पीठ ने कहा कि सभी आरोपियों के खिलाफ मुकदमा चलाने की अमान्य मंजूरी के कारण पूरा अभियोजन मामला खराब हो गया था। यह देखते हुए कि शायद ही कोई सबूत था, पीठ ने कहा कि अभियोजन पक्ष अभियुक्तों के खिलाफ कोई कानूनी जब्ती या कोई आपत्तिजनक सामग्री स्थापित करने में विफल रहा है। पीठ ने कहा, ट्रायल कोर्ट का फैसला कानून के तहत टिकाऊ नहीं है। इसलिए हम अपील की अनुमति देते हैं और दिए गए फैसले को रद्द करते हैं। सभी आरोपियों को बरी किया जाता है।

कांग्रेस को बड़ा झटका

विधायक मोढवाडिया बीजेपी में हुए शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। गुजरात में कांग्रेस के कद्दावर नेता रहे अर्जुन मोढवाडिया अब भाजपा का हिस्सा बन गए हैं। मोढवाडिया ने मंगलवार को ही भाजपा का दामन थामा। उनके साथ-साथ कांग्रेस के दो और बड़े चेहरे भाजपा में शामिल हो गए। इनमें पूर्व विधायक अंबरीश ढेर और मुलुभाई कंडेरिया भी शामिल हैं।

गौरतलब है कि गुजरात के इन नेताओं ने कांग्रेस से ऐसे समय में इस्तीफा दिया है, जब राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा कुछ दिनों में ही गुजरात पहुंचने वाली है। बताया जाता है कि करीब 40 वर्षों तक पार्टी के साथ जुड़े रहे मोढवाडिया पार्टी नेतृत्व की तरफ से राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का न्योता ठुकराए जाने से आहत थे। मोढवाडिया गुजरात कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भी रहे हैं।

दिल्ली कूच नहीं करेंगे पंजाब के किसान

» हरियाणा बॉर्डर पर ही डटेंगे, 10 को रोकेंगे ट्रेनें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। एमएसपी की कानूनी गारंटी समेत अन्य मांगों को लेकर शंभू और खनौरी बॉर्डर पर बैठे पंजाब के किसान अब दिल्ली कूच नहीं करेंगे। वे हरियाणा के बॉर्डर पर ही डटे रहेंगे। हालांकि किसान संगठनों ने अन्य राज्यों के किसानों से छह मार्च को दिल्ली में जुटने की अपील की है। इसके साथ ही किसान 10 मार्च को देश भर में दोपहर 12 बजे से शाम चार बजे तक ट्रेनें भी रोकेंगे।

जगजीत सिंह डल्लेवाल व सरवण सिंह पंधेर ने कहा कि पंजाब के खनौरी व शंभू बॉर्डरों से किसानों को हरियाणा सरकार की तरफ से आगे बढ़ने नहीं दिया जा रहा है। इसलिए छह मार्च को देश के अन्य राज्यों से किसान दिल्ली के लिए बसों व ट्रेनों के जरिये कूच करेंगे। वहां जंतर-मंतर पर किसान अपनी मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ धरना-प्रदर्शन करेंगे, लेकिन पंजाब के किसान शंभू व खन्नौरी बॉर्डरों पर ही धरना देंगे और अपनी मांगों के लिए प्रदर्शन करेंगे। इसके साथ आंदोलन को मजबूत करने के लिए यहां पर किसानों की संख्या को बढ़ाया जाएगा।

अजय मिश्रा टेनी के विरोध में किसानों ने खोला मोर्चा

संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने उत्तर प्रदेश की खीरी लोकसभा सीट से केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी को मैदान में उतारने संबंधी बीजेपी के फैसले की निंदा की और किसानों से उनकी उम्मीदवारी के खिलाफ देशभर के गांवों में जुलूस आयोजित करने का आह्वान किया। किसान टेनी के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं, जिनके बेटे आशीष ने अक्टूबर 2021 में लखीमपुर खीरी में प्रदर्शनकारी किसानों पर अपनी कार कथित तौर पर चढ़ा दी थी। एसकेएम ने एक बयान में कहा, "एसकेएम ने भाजपा द्वारा लोकसभा चुनाव 2024 में उत्तर प्रदेश की खीरी सीट से मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा टेनी के पिता एवं लखीमपुर खीरी में हुई घटना के मुख्य साजिशकर्ता अजय मिश्रा टेनी को उम्मीदवार बनाने का कड़ा विरोध जताया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।